श्री राजस्थानी सेवा संघ ने ५० सालों का सफर पूरा कर लिया हैं-विनोद टिबडेवाल

मार्ग के पत्थरों को सीढियाँ बना लेना ही जीवन की कला है, फिर तो कांटे भी फूल हो जाते है और अमावस भी पूनम बन जाते है

सफर शिक्षा के विकास का ...! सफर देश की आजादी के वर्षों का...! सफर तो सफर है किसी भी देश का विकास उसकी बाल शिक्षा पर आधारित होता है। सृष्टि की पाठशाला का सबक। आशा-अभिलाशा इन शब्दों में छिपा है ,इनका सारा रहस्य/यदि देश के बालकों को सही शिक्षा न दी जाए तो उस देश के बच्चों का भविष्य रेल के ढ़ेर की तरह बिखर जाता है। इसिलए देश में बाल शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करके ही बाल भविष्य के महल को मजबुती प्रदान की जा सकती है। मुंबई में पिछले पचास सालों से श्री राजस्थानी सेवा संघ अपने स्कूल श्री घनश्यामदास पोद्दार विद्यालय व कॉलेज के माध्यम से बच्चों को एक मजबूत बुनियाद प्रदार कर रहा है। माँ सरस्वती के आँचल तले खडा यह विद्यालय ज्ञान की ज्योति बिखेर रहा है। प्रसिध्द समाजसेवक व संस्था अध्यक्ष श्री विनोद तिबडेवाल जी के नेतृत्व में शिक्षा की राह मे एक तरह से मील का पत्थर साबित है। हर सुविधा से संपन्न यह विद्यालय शिक्षा की राह में अशिक्षीत वर्ग में रोशनी की किरणें बिखेर रहा है। तमसोमा ज्योतिर्गमय के सिध्दांत पर अटल रहकर अंधेरे से उजाले की ओर अग्रसर है, जिस पर राजस्थानी समाज के साथ-साथ सम्पूर्ण मुंबई गौरखान्वित महसूस कर रहा है। संस्था ने श्री टिबडेवाल के मार्गदर्शन में शिक्षा का दीप जलाकर बाल समाज के भविष्य को प्रज्वलित करने का निरंतर सरहानीय प्रयास किया है। जब प्रयास की बात आ गई है, तो आओ हम सब मिलकर बाल शिक्षा के क्षेत्र में एक और संघर्ष का प्रयास श्री घनश्यामदास विद्यालय के साथ मिलकर करें।

श्री टिबडेवाल के अनुसार आज के बच्चे कल का भविष्य है अगर इन भविष्यों की बुनियाद ठीक से न डाली जाए तो निश्चय ही उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। शिक्षा का दामन कभी ना छोडे, शिक्षा ही वह ज्योति है जो बालकों की राहो को प्रकाशित करती है शिक्षा को अपना साथी बनाए। आप एक नए सवेरे की ओर बढ चुके है क्योंकि इस समय आपकी आँखो के सामने है माँ सरस्वती की ज्योति श्री घनश्यामदास पोद्दार विद्यालय है इस विद्यालय में पढकर हजारों नौजवायन अपना सफल जीवन, सुशिक्षित, सुखी, खुशहाल बना चुके है। मन की मृत कोशिकाओं को अपने आमृतमय विचारों से बालकों को नव जीवन देना ही इस विद्यालय का ५० वर्षो से उद्देश्य रहा है घोर निराशा गरीब और बेसहारा छात्र-छात्राये भी इस विधाल्य में पढकर सफलता की उँचाईयों को छू रहे है, तो फिर आप पीछे क्यों रहते है यह विद्यालय आपके उज्जवल भविष्य के लिए ही खुला है आओ चलों स्कूल चले पढे-लिखे और खोले अपने विकास से द्वार जो बरसो-बरसो से बंद पडे है सफलता के दरवाजे क्योंकि शिक्षा का नारा देकर ही देश का विकास व बाल भविष्य का विकास किया जा सकता है।

राजस्थानी सेवा संघ का स्वर्ण जयंती महोत्सव ६ अप्रैल को भाईदास हॉल में...

'श्री राजस्थानी सेवा संघ' मुंबई की स्थापना के ५० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ६ अप्रैल को विलेपार्ले (प.)स्थित भाईदास सभागृह में 'स्वर्ण जयंती महोत्सव' आयोजित कर समाज की विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा. कार्यक्रम के सहयोगी एवं एल्यूमनी एसोसिएशन ऑफ एसआरएसएस के अध्यक्ष श्री सय्यद सलमान (पत्रकार सहारा समय) के अनुसार कार्यक्रम ३ चरणों में संपन्न होगा. प्रथम चरण सुबह ९ बजे से शुरु होगा, जिसमें विलेपार्ले संन्यास आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानद गिरि महाराज, संघ के अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् विनोद टीबडेवाल तथा साहित्यकार सांवरमल सोंगानेरिया को डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. कार्यक्रम का दूसरा सत्र दोपहर १ बजे शुरु होगा, जिसमें संस्था द्वारा संचालित झुंझन, राजस्थान स्थित श्री जगदीस प्रसाद झाबरमल विश्वविद्यालय एवं अंधेरी के बगडका कॉलेज के मेधावी छात्रों का सम्मान किया जाएगा. कार्यक्रम का तीसरा सत्र शाम ६ बजे शुरु होगा, जिसमें सेवा संघ के ट्रस्टियों का सत्कार किया जाएगा.

एक समारोह के अवसर पर श्री राजस्थानी सेवा संघ के अध्यक्ष श्री विनोद टिबडेवाल के आदेश पर एल्यूमनी एसोसिएशन ऑफ एसआरएसएस के माध्यम से श्री राजेस्थानी सेवा संघ को ६ अप्रैल को स्वर्ण जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया हैं इसके अध्यक्ष-सैय्यद सलमान,उपाध्यक्ष-चंद्रमोहन खत्ता,प्रभाकर जावकर- देवेश ठाकूर,आदित्य दूब,सेक्रेटरी - ब्रिजगोपाल दामनी,जावाईन्ट सेक्रेटरी-नितिन गरडे, तौफिख खान-,रामशंकर सिंग,नदीम शेख,विनोद दूबे-गेनाईजेशन सेक्रेटरी- दत्तातरे पेडनेकर ,अनिता पाल, ट्रेजर्रर - संजय बंसल ,जवाईट ट्रेजर्रर-सुधा रुईया, तथा रशीद रसिक नजर आ रहे हैं।